हितधारकों की अंतर्दृष्टि और प्राथमिकताएँ

"

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सक्रिय रूप से जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ा रहा है,जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2024 में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ₹ 23,059 करोड़ मंजूर किए गए हैं,जिसमें सौर,पवन और अन्य नवीकरणीय स्रोतों पर ध्यान केंद्रित किया गया है,ताकिउज्ज्वलभविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया जा सके.

वित्तीय वर्ष 2023 के बाद, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मई 2024 में एक और व्यापक भौतिकता विश्लेषण सर्वेक्षण आयोजित किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसके हितधारक क्या सोचते हैं, और इसकी कार्यनीतिक प्राथमिकताओं का मार्गदर्शन किया जा सके. इस विश्लेषण ने बैंक के आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव पर एक व्यापक आंतरिक और बाहरी परिप्रेक्ष्य पेश किया. सर्वेक्षण ने हितधारकों और संगठन के सतत विकास से संबंधित प्रमुख मुद्दों की पहचान करके हितधारकों की जरूरतों के साथ कारोबारी उद्देश्यों को संतुलित करने के महत्व पर प्रकाश डाला. बैंक ने अपने पहले औपचारिक भौतिकता मूल्यांकन का संचालन करने हेतु एक तृतीय पक्ष सलाहकार को नियुक्त किया, जिसमें आंतरिक नेतृत्व करता , विषय वस्तु विशेषज्ञ और बाहरी हितधारक जैसे ग्राहक, कर्मचारी, निवेशक, सरकार, मीडिया, गैर सरकारी संगठन और वित्तीय सहकर्मी शामिल थे. इस अभ्यास के परिणाम और निष्कर्ष जिम्मेदार, समावेशी विकास के लिए यूबीआई की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं, अधिक विवरण चाहने वाले पाठकों हेतु संदर्भ के साथ जिनकी यहाँ संक्षेप में चर्चा की गई है.

सर्वेक्षण में शामिल मुद्दों पर प्राप्त प्रतिक्रियाओं को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है:

	अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे
	काफी महत्वपूर्ण मुद्दे
	कुछ हद तक महत्वपूर्ण मुद्दे

अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे (उच्च)

क्र.	शीर्षक	यूबीआई की प्रतिक्रिया	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	जीआरआई संरेखण	यूएनएसडीजी संरेखण
1	**आयाम – पर्यावरण:** जलवायु परिवर्तन	यूबीआई अपने परिचालन में जलवायु परिवर्तन कार्यनीतियों को शामिल करता है, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करता है और जलवायु आघात-सहनीयता परियोजनाओं में निवेश करता है.			जीआरआई 201	13 CLIMATE ACTION
5	**आयाम – पर्यावरण:** जल प्रबंधन	यूबीआई जल संरक्षण प्रथाओं को क्रियान्वित करता है तथा जल दक्षता में सुधार हेतु प्रौद्योगिकी में निवेश करता है.			जीआरआई 303	6 CLEAN WATER AND SANITATION
6	**आयाम – पर्यावरण:** अपशिष्ट प्रबंधन	यूबीआई के पास एक मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली है जो अपशिष्ट को कम करने, पुनः उपयोग करने और रिसाइक्लिंग पर केंद्रित है.			जीआरआई 306	12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION
7	**आयाम – पर्यावरण:** हरित वित्त का प्रभाव और लाभ	यूबीआई पर्यावरणीय दृष्टि से संवहनीय परियोजनाओं को समर्थन देने के लिए हरित वित्त उत्पादों को बढ़ावा देता है.			जीआरआई 305	7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
8	**आयाम – पर्यावरण:** नवीकरणीय ऊर्जा और बैंक की आघात-सहनीयता	यूबीआई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करती है तथा बैंकों की आघात-सहनीयता बढ़ाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को एकीकृत करती है.			जीआरआई 302	7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
9	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** मानवाधिकार	यूबीआई अपने सभी कार्यों में मानवाधिकारों को कायम रखती है तथा वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों को बढ़ावा देने वाले प्रयासों का समर्थन करती है.			जीआरआई 406	10 REDUCED INEQUALITIES
14	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** सामाजिक समावेशन में प्रभाव और अनुक्रिया	यूबीआई विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों और समावेशी वित्तीय उत्पादों के माध्यम से सामाजिक समावेशन को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है.			जीआरआई 413	11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
18	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** वित्तीय समावेशन का प्रभाव	यूबीआई वंचित समुदायों को सुलभ बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देता है.			जीआरआई 203	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
20	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** व्यापक सीएसआर का प्रभाव और सामाजिक संरेखण	यूबीआई की सीएसआर गतिविधियां सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की गई हैं तथा व्यापक सकारात्मक प्रभाव पैदा करने हेतु बनाई गई हैं.			जीआरआई 201	10 REDUCED INEQUALITIES

क्र.	शीर्षक	यूबीआई की प्रतिक्रिया	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	जीआरआई संरेखण	यूएनएसडीजी संरेखण
23	**आयाम – मानव पूंजी:** श्रम प्रथा और रोजगार	यूबीआई सकारात्मक कार्यस्थल वातावरण सुनिश्चित करने हेतु निष्पक्ष श्रम प्रथाओं और रोजगार मानकों का पालन करता है.	■	■	जीआरआई 401	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
25	**आयाम – मानव पूंजी:** कर्मचारी स्वास्थ्य और सुरक्षा	यूबीआई व्यापक नीतियों और प्रथाओं के माध्यम से अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है.	■	■	जीआरआई 403	3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING
26	**आयाम – मानव पूंजी:** स्टाफ उत्तराधिकार नियोजन	नेतृत्व की निरंतरता और संगठनात्मक संवहनीयता सुनिश्चित करने हेतु यूबीआई के पास मजबूत कर्मचारी उत्तराधिकार नियोजन प्रक्रियाएं हैं.	■	■	जीआरआई 404	4 QUALITY EDUCATION
30	**आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार:** कार्यनीतिक संवहनीयता संरेखण	यूबीआई दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने हेतु अपने कारोबारी मॉडल को कार्यनीतिक संवहनीयता लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है.	■	■	जीआरआई 203	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE
33	**आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार:** फिनटेक और प्रतिस्पर्धात्मकता	यूबीआई प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और ग्राहक सेवाओं में सुधार हेतु फिनटेक समाधानों का लाभ उठाती है.	■	■	जीआरआई 201	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
36	**आयाम – नेतृत्व और अभिशासन:** नैतिकता और एएमएल का बाजार प्रभाव	अपराधों और बाजार दुरुपयोग को रोकने हेतु कठोर धन शोधन विरोधी नीतियों को लागू करता है .	■	■	जीआरआई 205	16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS
39	**आयाम – नेतृत्व और अभिशासन:** प्रतिष्ठा, सम्प्रेषण और जागरूकता	यूबीआई पारदर्शी सम्प्रेषण और जागरूकता पहल के माध्यम से एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाए रखता है.	■	■	जीआरआई 205	16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS
42	**आयाम – अर्थव्यवस्था:** आर्थिक/वित्तीय संकट	यूबीआई मजबूत आकस्मिक योजनाओं और जोखिम प्रबंधन कार्यनीतियों के साथ आर्थिक और वित्तीय संकटों के लिए तैयारी करता है.	■	■	जीआरआई 201	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
43	**आयाम – अर्थव्यवस्था:** स्थानीय समुदायों पर जिम्मेदार ऋण प्रथाओं का प्रभाव	यूबीआई जिम्मेदार ऋण प्रथाओं को सुनिश्चित करता है जो स्थानीय समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और संवहनीय विकास को बढ़ावा देते हैं.	■	■	जीआरआई 201	1 NO POVERTY

अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों का अवलोकन (उच्च)

1

आयाम – पर्यावरण: जलवायु परिवर्तन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने जलवायु जोखिम प्रबंधन को अपनी मुख्य कारोबारी कार्यनीतियों में शामिल करके जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की है. एक व्यापक ईएसजी जोखिम प्रबंधन ढाँचा स्थापित करके, यूबीआई जलवायु से संबंधित जोखिमों की पहचान, आकलन और प्रबंधन करता है, जिससे भौतिक और परिवर्तन दोनों जोखिमों के विरुद्ध आघात-सहनीयता सुनिश्चित होती है. बैंक के सक्रिय उपायों में उच्च-उत्सर्जन क्षेत्रों की निगरानी, हरित परियोजनाओं को ऋण देना और जलवायु क्षमता निर्माण में निवेश करना शामिल है. उदाहरण के लिए, यूबीआई ने कई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तपोषित किया है, जो भारत के कम कार्बन अर्थव्यवस्था के परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान देता है. यह दृष्टिकोण जलवायु जोखिमों को कम करता है और स्थायी वित्त की बढ़ती मांग द्वारा प्रस्तुत अवसरों का लाभ उठाता है. जलवायु कार्रवाई हेतु यूबीआई की प्रतिबद्धता पेरिस समझौते जैसे वैश्विक मानकों के अनुरूप है, जो इसे वित्तीय क्षेत्र के भीतर संवहनीयता में अग्रणी के रूप में स्थापित करती है.

अधिक जानकारी: इस रिपोर्ट के नैसर्गिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 126 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.

जीआरआई संरेखण: 305, 102
यूएनएसडीजी संरेखण: 13, 9
कार्यनीतिक स्तंभ: 15. संवहनीय बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना

5

आयाम – पर्यावरण: जल प्रबंधन

यूबीआई ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ाने हेतु मजबूत जल प्रबंधन कार्यनीतियों को लागू किया है. अपने परिचालन में उन्नत जल संरक्षण तकनीकों को एकीकृत करके और कुशल जल उपयोग को बढ़ावा देकर, यूबीआई का लक्ष्य अपने वॉटर फुटप्रिंट को काफी कम करना है. बैंक ने उन परियोजनाओं हेतु वित्तपोषण समाधान पेश किए हैं जो जल अवसंरचना में सुधार करते हैं और अपने ग्राहकों के बीच संवहनीय जल उपयोग को बढ़ावा देते हैं. इन प्रयासों में उन पहलों का समर्थन करना शामिल है जो विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुँच सुनिश्चित करते हैं. जल प्रबंधन हेतु यूबीआई का समर्पण इस महत्वपूर्ण संसाधन की सुरक्षा करता है और व्यापक पर्यावरणीय और सामाजिक लक्ष्यों का समर्थन करता है, जिससे जल पर निर्भर समुदायों और उद्योगों के लिए संवहनीय विकास सुनिश्चित होता है.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के नैसर्गिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 126 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 303, 306
यूएनएसडीजी संरेखण: 6, 12
कार्यनीतिक स्तंभ: 15. संवहनीय बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना

6

आयाम – पर्यावरण: अपशिष्ट प्रबंधन

यूबीआई अपशिष्ट को शून्य करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें अपशिष्ट के पुनः उपयोग, पुनः प्रयोजन और पुनर्चक्रण पर जोर दिया गया है. पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) को लागू करते हुए, यूबीआई सुनिश्चित करता है कि उसके अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाएं पर्यावरणीय को कम से कम प्रभावित करें. यह प्रणाली प्लास्टिक, इलेक्ट्रॉनिक और खतरनाक वस्तुओं सहित विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट को कवर करती है. बैंक सक्रिय रूप से अपशिष्ट उत्पादन को कम करने, पुनर्चक्रण कार्यक्रमों को बढ़ाने और हितधारकों को स्थायी अपशिष्ट प्रथाओं में शामिल करने के लिए काम करता है. अपशिष्ट प्रबंधन में यूबीआई के प्रयास पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सतत विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के नैसर्गिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 126 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 306, 301
यूएनएसडीजी संरेखण: 12, 15
कार्यनीतिक स्तंभ: 15. संवहनीय बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना

7

आयाम – पर्यावरण: हरित वित्त का प्रभाव और लाभ

यूबीआई ने संवहनीय विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए कार्यनीतिक रूप से हरित वित्त पर ध्यान केंद्रित किया है. बैंक ने यूनियन ग्रीन होम लोन और यूनियन ग्रीन कंपनी जमाराशियां जैसे समर्पित हरित ऋण उत्पाद विकसित किए हैं, जो अपने ग्राहकों के बीच पर्यावरण की दृष्टि से संवहनीय प्रथाओं का समर्थन करते हैं. नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों और संवहनीय बुनियादी ढांचे को वित्तपोषित करके, यूबीआई कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को बढ़ावा देता है. बैंक की हरित वित्त पहल इसकी प्रतिस्पर्धात्मक तीव्रता को बढ़ाती है और पर्यावरण संरक्षण और जलवायु कार्रवाई में महत्वपूर्ण योगदान देती है.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के नैसर्गिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 126 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 201, 302, 305
यूएनएसडीजी संरेखण: 7, 13
कार्यनीतिक स्तंभ: 15. संवहनीय बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना

8

आयाम – पर्यावरण: नवीकरणीय ऊर्जा और बैंक की आघात-सहनीयता

यूबीआई ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में काफी निवेश किया है, जो भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देता है. बैंक ने नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण हेतु ₹23,059 करोड़ मंजूर किए हैं, जो सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास का समर्थन करते हैं. ये निवेश जलवायु जोखिमों के विरुद्ध यूबीआई के आघात-सहनीयता को बढ़ाते हैं और संवहनीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं. नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता देकर, यूबीआई अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है और बैंकिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय जिम्मेदारी हेतु एक बेंचमार्क स्थापित करता है.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के पेज 126 पर नैसर्गिक पूंजी अध्याय में इस आयाम के बारे में और पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 302, 305
यूएनएसडीजी संरेखण: 7, 13
कार्यनीतिक स्तंभ: 16. संवहनीयता को बढ़ावा देना

9

आयाम – सामाजिक पूंजी: मानवाधिकार

यूबीआई अपने परिचालन और मूल्य श्रृंखला में मानवाधिकारों को बनाए रखने हेतु समर्पित है. बैंक की ईएसजी नीतियाँ यह सुनिश्चित करती हैं कि सभी कारोबारी गतिविधियाँ श्रम अधिकारों, गैर-भेदभाव और निष्पक्ष व्यवहार सहित मानवाधिकारों का सम्मान और प्रचार करें. यूबीआई ने मानवाधिकार प्रथाओं की देखरेख हेतु एक मजबूत अभिशासन संरचना लागू की है, इन सिद्धांतों को अपनी कॉर्पोरेट कार्यनीति और परिचालन प्रक्रियाओं में एकीकृत किया है. यूबीआई सम्मान और समानता की संस्कृति को बढ़ावा देकर एक अधिक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज में योगदान देता है.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के संबंध और सामाजिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 148 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 412, 405
यूएनएसडीजी संरेखण: 8, 10
कार्यनीतिक स्तंभ: 14. एक संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन में हमारे ग्राहकों को सहायता करना

14

आयाम – सामाजिक पूंजी: सामाजिक समावेशन में प्रभाव और प्रतिक्रिया

यूबीआई विभिन्न समुदाय-केंद्रित पहलों के माध्यम से सामाजिक समावेशन को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है. बैंक उन परियोजनाओं का समर्थन करता है जो वंचित समुदायों हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक अवसरों तक पहुँच में सुधार करती हैं. समावेशी विकास को बढ़ावा देकर, यूबीआई सामाजिक अंतर को कम करने में मदद करता है और विविध आबादी के कल्याण को बढ़ाता है. वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यशालाएँ और छोटे व्यवसायों हेतु समर्थन जैसी पहल सामाजिक समावेशन और सामुदायिक विकास के लिए यूबीआई की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के संबंध और सामाजिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 148 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 413, 203
यूएनएसडीजी संरेखण: 1, 10
कार्यनीतिक स्तंभ: 14. एक संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन में हमारे ग्राहकों को सहायता करना

18

आयाम – सामाजिक पूंजी: वित्तीय समावेशन का प्रभाव

यूबीआई अनर्ह और बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को सुलभ बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके वित्तीय समावेशन को बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध है. बैंक की पहलों में माइक्रोफाइनेंस, डिजिटल बैंकिंग समाधान और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम प्रदान करना शामिल है. ये प्रयास व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाते हैं, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक विकास को बढ़ावा देते हैं. वित्तीय समावेशन पर यूबीआई का ध्यान यह सुनिश्चित करता है कि समाज के सभी वर्ग आर्थिक विकास में भाग ले सकें और उसका लाभ उठा सकें.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के संबंध और सामाजिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 148 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 203, 417
यूएनएसडीजी संरेखण: 1, 8
कार्यनीतिक स्तंभ: 14. एक संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन में हमारे ग्राहकों को सहायता करना

20

आयाम – सामाजिक पूंजी: व्यापक सीएसआर प्रभाव और सामाजिक संरेखण

यूबीआई की व्यापक कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) कार्यनीति लक्षित शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरणीय संवहनीयता और सामुदायिक विकास पहलों के माध्यम से महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों का समाधान करती है. बैंक की सीएसआर परियोजनाएं समाज पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्यों को व्यापक सामाजिक लक्ष्यों के साथ जोड़ती हैं, यूबीआई इन क्षेत्रों में निवेश करके एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक और सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाता है.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के संबंध और सामाजिक पूंजी अध्याय में पृष्ठ 148 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 413, 201
यूएनएसडीजी संरेखण: 3, 4
कार्यनीतिक स्तंभ: 14. एक संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन में हमारे ग्राहकों को सहायता करना

23

आयाम – मानव पूंजी: श्रम प्रथाएँ और रोजगार

यूबीआई अपने परिचालन में निष्पक्ष श्रम प्रथाओं और रोजगार मानकों को सुनिश्चित करता है. बैंक सभी कर्मचारियों के लिए विविधता, समान अवसर और सुरक्षित कार्य स्थितियों को बढ़ावा देता है. यूबीआई एक सहायक और समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देकर कर्मचारी संतुष्टि और उत्पादकता को बढ़ाता है, जो इसकी समग्र सफलता में योगदान देता है. यूबीआई की नीतियों को उच्चतम श्रम अधिकार मानकों के अनुपालन में डिज़ाइन किया गया है, जो एक निष्पक्ष और सम्मानजनक कार्य परिवेश सुनिश्चित करता है.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट में मानव पूंजी अध्याय के पृष्ठ 160 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण:401, 404
यूएनएसडीजी संरेखण: 8, 10
कार्यनीतिक स्तंभ: 10. एक गतिशील और प्रतिबद्ध टीम को पोषित करना

25

आयाम – मानव पूंजी: कर्मचारी स्वास्थ्य और सुरक्षा

यूबीआई व्यापक कार्यस्थल पर सुरक्षा कार्यक्रमों और स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है. बैंक सुरक्षा विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है और स्वास्थ्य एवं कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देता है. यूबीआई की स्वास्थ्य और सुरक्षा नीतियों में नियमित प्रशिक्षण, जोखिम आकलन और कल्याण कार्यक्रम शामिल हैं, जो एक सुरक्षित और समर्थक कार्य परिवेश तैयार करते हैं.

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट में मानव पूंजी अध्याय के पृष्ठ 160 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण:403, 401
यूएनएसडीजी संरेखण: 8, 10
कार्यनीतिक स्तंभ: 10. एक गतिशील और प्रतिबद्ध टीम को पोषित करना

26

आयाम – मानव पूंजी: स्टाफ उत्तराधिकार नियोजन

यूबीआई ने कारोबार की निरंतरता और नेतृत्व विकास को सुनिश्चित करने के लिए स्टाफ उत्तराधिकार नियोजन को प्रभावी रूप से लागू की है. बैंक लक्षित प्रशिक्षण और कैरियर विकास कार्यक्रमों के माध्यम से संभावित नेतृत्वकर्ताओं की पहचान करता है और उनका पोषण करता है. यूबीआई के दीर्घकालिक कार्यनीतिक लक्ष्यों के समर्थन में यह सक्रिय दृष्टिकोण कुशल और आघात सहनीयता नेतृत्वकर्ताओं की एक पाइपलाइन का निर्माण करता है. महिला नेतृत्व के लिए एकम परियोजना और विंग्स कार्यक्रम जैसी पहल मानव पूंजी विकसित करने के लिए यूबीआई की प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं.

अधिक जानकारी: इस रिपोर्ट के मानव पूंजी अध्याय में पृष्ठ 160 पर इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.

जीआरआई संरेखण:404, 401
यूएनएसडीजी संरेखण: 8, 4
कार्यनीतिक स्तंभ: 10. एक गतिशील और प्रतिबद्ध टीम को पोषित करना

30

आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार: कार्यनीतिक स्थिरता संरेखण

यूबीआई का कारोबारी मॉडल कार्यनीतिक रूप से स्थिरता सिद्धांतों के साथ संरेखित है. बैंक अपने कोर परिचालन में ईएसजी विचारों को एकीकृत करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी कारोबारी गतिविधियाँ सतत विकास में योगदान दें. यह संरेखण यूबीआई की प्रतिस्पर्धात्मक तीव्रता को बढ़ाता है और जिम्मेदार बैंकिंग प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है. यूबीआई का संवहनीय कारोबारी मॉडल दीर्घकालिक विकास और आघात सहनीयता का समर्थन करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बैंक का परिचालन, पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदार हैं.

अधिक जानकारी: इस रिपोर्ट के "कार्यनीतिक रूपरेखा: यूनियन बैंक का कारोबारी मॉडल कैनवास" अध्याय में इस आयाम के बारे में पृष्ठ 56 पर और पढ़ें.

जीआरआई संरेखण: 201, 203
यूएनएसडीजी संरेखण: 9, 12
कार्यनीतिक स्तंभ: 15. संवहनीय बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना

33

आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार: फिनटेक और प्रतिस्पर्धात्मकता

बैंकिंग क्षेत्र में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए यूबीआई फिनटेक नवाचारों का लाभ उठाता है. उन्नत प्रोद्यौगिकी और डिजिटल समाधानों को अपनाकर, बैंक ग्राहक अनुभव, परिचालन दक्षता और वित्तीय समावेशन में सुधार करता है. यूबीआई की फिनटेक पहल, जैसे डिजिटल ऋण देने वाले प्लेटफ़ॉर्म और एआई-संचालित ग्राहक सेवा उपकरण, इसे अपने ग्राहकों की उभरती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार एक अग्रगामी विचारधारा वाली संस्था के रूप में स्थापित करते हैं.

***अधिक जानकारी:** इस रिपोर्ट के अध्याय "कार्यनीतिक रूपरेखा: यूनियन बैंक का कारोबारी मॉडल कैनवास" में पृष्ठ 56 पर इस आयाम के बारे में और पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 203, 417
यूएनएसडीजी संरेखण: 9, 8
कार्यनीतिक स्तंभ: 12. ग्राहक-केंद्रित नवाचारों को बढ़ावा देना

36

आयाम – नेतृत्व और अभिशासन: नैतिकता और एएमएल का बाजार प्रभाव

यूबीआई अपने परिचालन की अखंडता की रक्षा के लिए उच्च नैतिक मानकों और मजबूत धन शोधन निवारण (एएमएल) प्रथाओं का पालन करता है. बैंक का अभिशासन ढांचा विनियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करता है और पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है. यूबीआई की एएमएल पहलों में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम, सख्त निगरानी प्रणाली और वित्तीय अपराधों को रोकने और बाजार की अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए नियामक निकायों के साथ सहयोग शामिल है.

***अधिक जानकारी:** इस रिपोर्ट के अध्याय "नैतिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना: उचित व्यवहार और ग्राहक-केंद्रित विकास के लिए प्रतिबद्ध" में पृष्ठ 56 पर इस आयाम के बारे में पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 204, 419
यूएनएसडीजी संरेखण: 16, 8
कार्यनीतिक स्तंभ: 12. ग्राहक-केंद्रित नवाचारों को बढ़ावा देना

39

आयाम – नेतृत्व और अभिशासन: प्रतिष्ठा, संप्रेषण और जागरूकता

यूबीआई का नेतृत्व प्रभावी संप्रेषण और प्रतिष्ठा प्रबंधन को प्राथमिकता देता है. बैंक पारदर्शी और ओपेन संप्रेषण चैनलों के माध्यम से हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ता है. यूबीआई अपनी संवहनीयता से संबंधित पहलों और नैतिक प्रथाओं के विषय में जागरूकता पैदा करके अपने ब्रांड को मजबूत करता है और हितधारकों के विश्वास को बढ़ावा देता है. यूबीआई की संप्रेषण रणनीतियों में ईएसजी कार्यनिष्पादन, सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम और सक्रिय मीडिया संबंधों पर नियमित अपडेट शामिल हैं.

अधिक जानकारी: इस रिपोर्ट के अध्याय कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में पेज 263 पर इस आयाम के बारे में पढ़ें.

जीआरआई संरेखण: 102, 417
यूएनएसडीजी संरेखण: 12, 16
कार्यनीतिक स्तंभ: 12. ग्राहक-केंद्रित नवाचारों को बढ़ावा देना

आयाम – अर्थव्यवस्था: आर्थिक/वित्तीय संकट

आर्थिक और वित्तीय संकटों के दौरान, यूबीआई आघात सहनीयता और अनुकूलनशीलता प्रदर्शित करता है. बैंक का मजबूत जोखिम प्रबंधन ढांचा परिचालन की स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करता है. यूबीआई अपने ग्राहकों को अनुकूलित वित्तीय समाधानों के माध्यम से सहायता प्रदान करता है, जिससे उन्हें चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिवेश से निपटने में मदद मिलती है. यूबीआई मजबूत पूंजी पर्याप्तता अनुपात और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रथाओं का पालन करते हुए अपने परिचालन की सुरक्षा करता है और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करता है.

42

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के अध्याय "कार्यनीतिक दिशाएं: विकास और संवहनीयता के लिए भविष्य का मार्गदर्शन" आयाम के बारे में पृष्ठ 32 पर और प्रबंधकीय चर्चा और विश्लेषण के बारे में पृष्ठ 212 पर पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 201, 202
यूएनएसडीजी संरेखण: 8, 9
कार्यनीतिक स्तंभ: 9. परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त करना

आयाम – अर्थव्यवस्था: स्थानीय समुदायों पर ऋण देने की जिम्मेदार प्रथाओं का प्रभाव

यूबीआई की ऋण देने की जिम्मेदार प्रथाएँ स्थायी आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं. बैंक के ऋण देने के निर्णय पर्यावरणीय और सामाजिक कारकों पर विचार करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वित्तपोषित परियोजनाएँ सामुदायिक विकास और पर्यावरण संरक्षण में योगदान करती हैं. जिम्मेदार ऋण प्रदान करने के लिए यूबीआई का दृष्टिकोण समावेशी विकास का समर्थन करता है और आघात सहनीयता समुदायों के निर्माण में मदद करता है.

43

अधिक जानकारी: *इस रिपोर्ट के अध्याय "कार्यनीतिक दिशाएँ: विकास और स्थिरता के लिए भविष्य में नेविगेट करना" में इस आयाम के बारे में पृष्ठ 32 पर और प्रबंधकीय चर्चा और विश्लेषण के बारे में पृष्ठ 212 पर पढ़ें.*

जीआरआई संरेखण: 203, 413
यूएनएसडीजी संरेखण: 11, 8
कार्यनीतिक स्तंभ: 14. हमारे ग्राहकों को एक संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन में सहायता करना

"

व्यापक सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से समावेशी विकास को बढ़ावा देकर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया वंचित आबादी के लिए सामाजिक अंतर को खत्म करता है, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों, कौशल विकास कार्यशालाओं और छोटे व्यवसायों हेतु समर्थन जैसी पहलों के माध्यम से सामाजिक समावेशन और सामुदायिक विकास पर ठोस प्रभाव डालता है.

काफी महत्वपूर्ण और कुछ हद तक महत्वपूर्ण मुद्दे (मध्यम और निम्न)

	अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे
	काफी महत्वपूर्ण मुद्दे
	कुछ हद तक महत्वपूर्ण मुद्दे

क्र.	शीर्षक	यूबीआई की प्रतिक्रिया	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	जीआरआई संरेखण	यूएनएसडीजी संरेखण
2	**आयाम – पर्यावरण:** बैंकिंग निर्णयों में जलवायु जोखिम	यूबीआई दीर्घकालिक संवहनीयता और जोखिम न्यूनीकरण सुनिश्चित करने के लिए सभी बैंकिंग निर्णयों में जलवायु जोखिम आकलन को शामिल करता है.			जीआरआई 201	13 CLIMATE ACTION
3	**आयाम – पर्यावरण:** सामाजिक-पर्यावरणीय गतिशीलता पर प्रभाव	यूबीआई हितधारकों के साथ सहभागिता और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक-पर्यावरणीय गतिशीलता को सक्रिय रूप से समझता है और प्रभावित करता है.			जीआरआई 201	11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
4	**आयाम – पर्यावरण:** ऊर्जा प्रबंधन	यूबीआई अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक ऊर्जा प्रबंधन प्रथाओं को कार्यान्वित करता है.			जीआरआई 302	7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
8	**आयाम – पर्यावरण:** नवीकरणीय ऊर्जा और बैंक की आघात सहनीयता	यूबीआई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करता है तथा बैंक की आघात सहनीयता बढ़ाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को एकीकृत करती है.			जीआरआई 302	7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
10	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** ग्राहक गोपनीयता और डेटा सुरक्षा	यूबीआई ग्राहक गोपनीयता और डेटा सुरक्षा को प्राथमिकता देता है तथा ग्राहक जानकारी की सुरक्षा के लिए कड़े उपाय लागू करता है.			जीआरआई 418	16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS
11	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** ग्राहक कल्याण	यूबीआई उचित व्यवहार और उत्तरदायी ग्राहक सेवा के माध्यम से ग्राहक कल्याण सुनिश्चित करता है.			जीआरआई 201	3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING
12	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** धर्मार्थ दान और सीएसआर का सामुदायिक प्रभाव	यूबीआई समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए धर्मार्थ दान और सीएसआर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता है.			जीआरआई 413	11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
13	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** सामाजिक विकास और सामुदायिक भागीदारी	यूबीआई समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक विकास पहलों और सामुदायिक भागीदारी कार्यक्रमों का समर्थन करता है.			जीआरआई 413	11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
15	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** वित्तीय उत्पादों के प्रभाव का आकलन	यूबीआई नियमित रूप से अपने वित्तीय उत्पादों के प्रभाव का मूल्यांकन करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे संवहनीयता लक्ष्यों में सकारात्मक योगदान देते हैं.			जीआरआई 203	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH

क्र.	शीर्षक	यूबीआई की प्रतिक्रिया	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	जीआरआई संरेखण	यूएनएसडीजी संरेखण
16	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** संवहनीयता लक्ष्यों पर बैंक उत्पादों का प्रभाव	यूबीआई पर्यावरणीय और सामाजिक संवहनीयता को समर्थन देने के लिए अपने बैंकिंग उत्पादों को संवहनीय लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है.	■	■	जीआरआई 203	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
17	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** वित्तीय साक्षरता प्रभाव	यूबीआई ग्राहकों और समुदायों को वित्तीय ज्ञान से सशक्त बनाने के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करता है.	■	■	जीआरआई 203	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
19	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** समान पहुंच और बैंक प्रभाव	यूबीआई बैंकिंग सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करता है, जिसका उद्देश्य वित्तीय असमानताओं को कम करना है.	■	■	जीआरआई 203	10 REDUCED INEQUALITIES
21	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** समुदायों और कारोबार संवहनीयता का समर्थन करना	यूबीआई कार्यनीतिक साझेदारी और निवेश के माध्यम से सामुदायिक पहल और कारोबार संवहनीयता का समर्थन करता है.	■	■	जीआरआई 413	11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
22	**आयाम – सामाजिक पूंजी:** संवहनीय प्रभाव के लिए बैंक की साझेदारियां और सहयोग	यूबीआई संयुक्त पहल के माध्यम से संवहनीय प्रभाव प्राप्त करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ सहयोग करता है.	■	■	जीआरआई 413	17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS
24	**आयाम – मानव पूंजी:** प्रशिक्षण और कौशले विकास	यूबीआई कर्मचारियों के व्यावसायिक विकास को बढ़ाने के लिए उनके प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश करता है.	■	■	जीआरआई 404	4 QUALITY EDUCATION
27	**आयाम – मानव पूंजी:** बैंक परिचालन में विविधता और समावेशन की प्रभावशीलता	यूबीआई एक संतुलित और समावेशी कार्यस्थल बनाने के लिए अपने परिचालन में विविधता और समावेशन को बढ़ावा देता है.	■	■	जीआरआई 405	5 GENDER EQUALITY
28	**आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार:** पूंजी और ग्राहकों तक पहुंच	यूबीआई विविध ग्राहकों के लिए पूंजी और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को बढ़ाता है.	■	■	जीआरआई 203	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE
29	**आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार:** संवहनीय प्रौद्योगिकियों में निवेश	यूबीआई नवाचार को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय संवहनीयता का समर्थन करने के लिए संवहनीय प्रौद्योगिकियों में निवेश करता है.	■	■	जीआरआई 203	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE
31	**आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार:** संवहनीय सामग्री सोर्सिंग और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता	यूबीआई पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए संवहनीय सामग्री स्रोत और कुशल आपूर्ति शृंखला प्रथाओं को सुनिश्चित करता है.	■	■	जीआरआई 301	12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION
32	**आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार:** आपूर्तिकर्ता प्रभाव आकलन	यूबीआई अपने आपूर्तिकर्ताओं का गहन मूल्यांकन करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे संवहनीयता मानकों को पूरा करते हैं.	■	■	जीआरआई 414	12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION
34	**आयाम – नेतृत्व और अभिशासन:** कारोबारी नैतिकता, अखंडता और पारदर्शिता का हितधारक विश्वास पर प्रभाव	यूबीआई हितधारकों का विश्वास बनाने के लिए उच्च कारोबारी नैतिकता, अखंडता और पारदर्शिता मानकों का पालन करता है.	■	■	जीआरआई 205	16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS

क्र.	शीर्षक	यूबीआई की प्रतिक्रिया	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	जीआरआई संरेखण	यूएनएसडीजी संरेखण
35	**आयाम – नेतृत्व और अभिशासन:** जोखिम प्रबंधन और अनुपालन	यूबीआई के पास विनियामक अनुपालन और परिचालन संवहनीयता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत जोखिम प्रबंधन और अनुपालन ढांचा है.	■	■	जीआरआई 205	16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS
37	**आयाम – नेतृत्व और अभिशासन:** प्रतिस्पर्धी व्यवहार	यूबीआई बाजार के विकास को बढ़ावा देने के लिए कानूनी और नैतिक सीमाओं के भीतर प्रतिस्पर्धी व्यवहार को बढ़ावा देता है.	■	■	जीआरआई 201	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
38	**आयाम – नेतृत्व और अभिशासन:** हितधारकों की शिकायतों का निवारण	यूबीआई के पास हितधारकों की चिंताओं के त्वरित समाधान हेतु प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र मौजूद है.	■	■	जीआरआई 201	16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS
40	**आयाम – अर्थव्यवस्था:** वैश्विक आर्थिक बदलावों के अनुकूल होना	यूबीआई बाजार में होने वाले परिवर्तनों के प्रति सक्रिय और संवेदनशील रहकर वैश्विक आर्थिक बदलावों के अनुकूल खुद को ढाल लेता है.	■	■	जीआरआई 201	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
41	**आयाम – अर्थव्यवस्था:** आर्थिक स्थिरता और विकास में भूमिका	यूबीआई कार्यनीतिक निवेश और जिम्मेदार ऋण प्रथाओं के माध्यम से आर्थिक स्थिरता और विकास में योगदान देता है.	■	■	जीआरआई 201	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
44	**आयाम – अर्थव्यवस्था:** बैंक की वृद्धि पर समुदायों का प्रभाव	यूबीआई अपने विकास पर समुदायों के प्रभाव को पहचानता है और सामुदायिक विकास पहलों में जुड़ा हुआ है.	■	■		

"

यूनियन ग्रीन होम लोन जैसी कार्यनीतिक हरित वित्त पहलों के माध्यम से, यूबीआई अपने ग्राहकों के बीच पर्यावरणीय रूप से संवहनीय प्रथाओं का समर्थन करते हुए अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को बढ़ा रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है.

आगे पढ़ने के लिए मार्गदर्शिका

इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर यूनियन बैंक की प्रतिक्रिया के विषय में अधिक जानकारी हेतु, प्रत्येक आयाम से संबंधित निम्नलिखित अध्यायों को देखें.

आयाम	और पढ़ें
आयाम पर्यावरण	इस रिपोर्ट के *पृष्ठ 126* प्राकृतिक पूंजी अध्याय में इस आयाम के बारे में अधिक जानकारी के लिए पढ़ें.
आयाम – सामाजिक पूंजी	इस रिपोर्ट के *पृष्ठ 148* पर संबंध और सामाजिक पूंजी अध्याय में इस आयाम के बारे में अधिक पढ़ें.
आयाम – मानव पूंजी	इस रिपोर्ट के *पृष्ठ 160* पर मानव पूंजी अध्याय में इस आयाम के बारे में अधिक जानकारी के लिए को पढ़ें.
आयाम – कारोबारी मॉडल और नवाचार	इस रिपोर्ट के *पृष्ठ 56* पर "कार्यनीतिक रूपरेखा: यूनियन बैंक का कारोबारी मॉडल कैनवास" अध्याय में इस आयाम के बारे में अधिक जानकारी के लिए पढ़ें.
आयाम – नेतृत्व और अभिशासन	इस रिपोर्ट के *पृष्ठ 255* पर कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में इस आयाम के बारे में अधिक जानकारी के लिए पढ़ें.
आयाम अर्थव्यवस्था	इस रिपोर्ट में इस आयाम के बारे में अधिक जानकारी के लिए अध्याय "कार्यनीतिक दिशाएं: विकास और संवहनीयता के लिए भविष्य का मार्गदर्शक" को पढ़ें, जो *पृष्ठ 32* पर है; तथा प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण *पृष्ठ 212* पर है.